

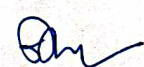
व तारा  
म जी  
री इव

पटवारी हाका राजपूर वडा V/S गोगा वगेर  
मानपरजडा

मु. न. 84/2022 पुणे दिनांक 4-10-22 दिनांक 27-6-23

27-6-23 आज पत्रावली पेश हुई। रिपोर्ट पटवारी हाका अनुसार संसेप में तदनु विंग प्रकार से है। कि गैर सामान गोगा पुत्र अह, सकडा पुत्र गोगा जाति बंकारा निवासी राजपूर वडा में ग्राम राजपूर वडा के आशुजी वसरा नम्वर 244/2303 रकबा 14.47 हे भूमि-परागट में 0.02 हे भूमि पर पक्का मकान व 0.01 हे पर तिरपाल से तमू बनाकर संवत् 2079 में अतिक्रमण कर लिया है। गैर सामान के विरुद्ध सुकरण राजस्थान यू राजस्थान अधिनियम 1956 की धारा 9) के तहत दर्ज रजिस्ट्रार कर गैर सामान को जर्ज सार नोटिफिकेशन 1973 दिनांक 4-10-22 से लागू किया गया। गैर सामान की गैर ले जवाब पेश कर विवेक किया गया कि उक्त सुकरण में माननीय सिविल न्यायाधीश महोदय राजपूर के पेशे पर प्रसंग आदेश दिनांक 12-12-22 तक है। नकार आदेश का भी पेश की गई।

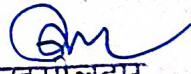
उक्त सुकरण से सामान्यतः एक पत्रावली पूर्व से दर्ज नम्वर न. 112/2020 दर्ज होकर जेरकार है। शामिल पत्रावली की गई। निसेप माननीय सिविल न्यायाधीश महोदय राजपूर के पेशे पर प्रसंग आदेश है शामिल पत्रावली की गई। गैर सामान उक्त सुकरण के तदनु में पुन नोटिफिकेशन कर नाम ब किया गया गैर सामान की गैर ले जवाब प्रस्तुत कर विवेक किया गया कि गैर सामान धुमनु जाति से है। एव की 50 वगेर ले मकान बनाकर निवात कर रहे है। एव उचित विवेक है। जवाब शामिल पत्रावली किया गया लेकिन पूर्व से माननीय सिविल न्यायाधीश महोदय राजपूर के पेशे से विचारधीन कर में 9 तिमाह में तदनु उक्त कोर्ड आदेशिका पेश नही की गई।

  
तहसिलदार  
राजपूर जिला अदालत  
लगाता

जाहिर है कि गैर सामान को अब किसी भी सहाय न्यायालय से (सहाय आदेश नहीं है) अतिरिक्त काबिल केदखली है।

अतः गैर सामान को आराजी खसरा नम्बर 244/2303 रकबा 0.03 है श्री चारागाह से केदखली के आदेश दिये जाते है। एच शास्त्री - लेखकप 1=00 रूपये की 50 गुण 50/2 पचास रुपये कायम की जाती है। श्री आ. मिरीदाक, पटवड़ी एका राजपुर (कडवा) को केदखली, पैनलिया वसुली देन लिखा जावे, तदानी राजस्व लेखा कार को राजस्व लिखों में मंजूर कायम की देन लिखा जावे। पत्रावली केसल शुभार होकर नम्बर से कम है।

निर्णय आज दिनांक 27-6-2023 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
तहसीलदार  
राजगढ़ जिला अलावर

रा. ले. स. 4 वर्ष 2023-24  
के पृष्ठ संख्या 37 पर चो.पं. 50/-  
राशि कायम किये गये।  
पि. वि.  
त. रा. लेखाकार